

10/2/26

अ० उप० / अतिपुस्तक अ०

जिन्की दखिरी माफी देवा दुइ
जो आज के निरु मी पाव की
जाने है के दम ठेठ अवसर
चाहे पताव न व. के दम रिपाठ
17/2/26 को पेश है

वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश ।
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस
साँगोद जिला कोटा (राज०)